डेली संवाद

संपादक - अशोक सिंह भारत | जालंधर, 20 मई, 2020 dailysamvad.com Email: dailysamvad@gmail.com

एक नजर

घर पर रहना सबसे अच्छा समाधान : जाह्नवी कपूर

मुंबई । अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के घर में काम करने वाले एक घरेलू सहायक का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद अभिनेत्री ने सभी से घर के अंदर ही रहने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि घर के अंदर रहना अभी भी सबसे अच्छा समाधान है। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ÷अभी भी हमारे पास घर पर रहना सबसे अच्छा समाधान है। सभी सुरक्षित रहें। इंस्टाग्राम पर संदेश के साथ उन्होंने अपने पिता, निर्माता बोनी कपूर के विस्तृत बयान को साझा किया, जिसमें उन्होंने मंगलवार को अपने पोस्ट में कहा कि कपूर निवास पर एक घरेलू सहायक चरण साहू का कोविड टेस्ट पॉजिटिव आया है।

पीटने से महिला का गर्भपात : पति, सास पर मामला दर्ज

फगवाड़ा । एक महिला को बुरी तरह पीटने से उसका छह माह का गर्भ गिर जाने के मामले में पुलिस ने महिला के पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सतनामपुरा पुलिस थाना प्रभारी उषा रानी ने बताया कि रंजना देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति विजय कुमार और सास बिमला रानी ने 18 मई को उसे बुरी तरह पीटा था। रंजना की शिकायत के अनुसार 18 मई की घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई और उन्हें उनके अभिभावकों ने पहले फिल्लौर अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उन्हें फगवाड़ा सिविल अस्पताल में रेफर किया गया। लेकिन अंततः सोमवार की रात रंजना का गर्भपात हो गया।

वरुण ने सारा के ग्रेजुएशन की तस्वीर को बताया सर्वश्रेष्ठ

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अभिनेत्री सारा अली खान को हाल ही में साझा की गई अभिनेत्री के ग्रेजुएशन वाले दिन की तस्वीर पर एक कमेंट के साथ मजेदार तरीके से ट्रोल किया है। सारा ने हाल ही में चार साल पहले कोलंबिया विश्वविद्यालय से अपने ग्रेजुएशन की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की थीं।

भारतीय तटों की ओर बढ़ा 'अम्फान', बारिश शुरू, कई मकान तबाह

कोलकाता/भुवनेश्वर। अत्यधिक भीषण चक्रवाती तूफान 'अम्फान' बुधवार को भारतीय तटों की ओर तेजी से आगे बढ़ा जिसके कारण तटीय ओडिशा औरपश्चिम बंगाल में बारिश शुरू हो गई, कई मकान ढह गए और चार लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा। एक समय पर महाचक्रवात बताया जा रहा यह तूफान मंगलवार से भले ही थोड़ा कमजोर हो रहा है, लेकिन इसने दो पूर्वी राज्यों में तबाही मचाने के लिए आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) पी के जेना ने बताया कि ओडिशा के निचले तटीय इलाकों से 1.25 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और बालासोर जैसे कई

स्थानों पर यह कार्य अब भी जारी है। पश्चिम बंगाल में तीन लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया हो। पुरी, खुर्दा, जगतसिंहपुर, कटक, केंद्रपाडा, जाजपुर, गंजाम, भद्रक और बालासोर जिलों के कई स्थानों में मंगलवार से भारी बारिश हो रही है। हालांकि तूफान ओडिशा में पारादीप के पूर्व- दक्षिणपूर्व में करीब 120 किलोमीटर, दीघा (पश्चिम बंगाल) के दक्षिण-दक्षिणपूर्व में 125 किलोमीटर और कोलकाता के दक्षिण में करीब 220 किलोमीटर दूर है लेकिन इसका असर दोनों राज्यों में दिखाई देने लगा है। भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि 'अम्फान' के सुंदरवन के निकट बांग्लादेश में हटिया द्वीप और दीघा के बीच से बुधवार दोपहर से शाम के बीच गुजरने की संभावना है। एक मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि तूफान के केंद्र के आस-पास हवाओं की गति लगातार 170 से 180 किलोमीटर प्रति घंटा बनी रही, जिन्होंने बीच-बीच में 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी।

हरियाणा में एंट्री नहीं देने पर मजदूरों का बवाल

पथराव में 5 पुलिसकर्मी जख्मी

डेली संवाद, गुरुग्राम। हरियाणा की सीमा में प्रवेश से रोकने पर बुधवार को बवाल हो गया। गुरुग्राम के उद्योग विहार इलाके में जाने देने से रोकने पर मजदूर पुलिस पर भड़क गए। गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। पथराव की वजह से पांच पुलिसकर्मियों को चोटें लगी है। फिलहाल पुलिस ने मजदूरों को दिल्ली-गुरुग्राम की सीमा से हटा दिया है।

दरअसल, गुरुग्राम के उद्योग विहार इलाके में काम करने वाले हजारों श्रमिक दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में रहते हैं। वे काम करने के लिए आना चाहते हैं लेकिन गुरुग्राम पुलिस जिलाधीश के आदेश का हवाला देते हुए प्रतिदिन रोक देती है। दिल्ली-गुरुग्राम के बीच रूटीन में आवाजाही कम करने के लिए गुरुग्राम के जिलाधीश अमित खत्री ने आदेश जारी कर रखा है कि गुरुग्राम में काम करने वाले गुरुग्राम में रहें और दिल्ली में काम करने वाले दिल्ली में रहें।

गुरुग्राम में काम करने वाले श्रमिक दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में रहते हैं। काफी लोग गुरुग्राम से बाहर काम करते हैं जबकि कई लोग गुरुग्राम में ही रहते हैं। इसी प्रकार दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में रहने वाले बड़ी संख्या में मजदूर गुरुग्राम में काम करते हैं। लेकिन पुलिस उन्हें रोक रही है। बताया जा रहा है कि एक बार तो मजदूर आ-जा सकते हैं लेकिन रोजाना आने-जाने की पाबंदी है।

देश में कोरोना संक्रमण की संख्या में अब तक का सबसे तेज उछाल

पिछले 24 घंटों में 5611 नए मामले आए सामने

डेली संवाद, नई दिल्ली

भारत में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा. देश में पिछले 24 घंटों में 5,611 नये कोरोना वायरस के मामले सामने आए हैं. ये नये मामले अबतक एक दिन में आने वाले मामलों की सबसे बड़ी संख्या है. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों 140 लोगों की मौत हुई है. देश में अब कुल 106750 मामलों में 61149 सक्रिय मामले है और 3303 लोगों की मौत हुई है. लगातार तीसरे दिन महाराष्ट्र में 2,000 से अधिक मामले सामने आये हैं. हालांकि भारत में मृत्यु दर 3 फीसदी है. महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 76 मौतें हुई हैं. कुल कोरोना वायरस मामलों में कम से कम 39 फीसदी या 42,298 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं. भारत में लॉकडाउन के चौथे चरण में कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि जारी रही. महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात में पिछले 24 घंटों में तेजी से मामले बढे हैं. लॉकडाउन 4 में कई राज्यों में ढील दी गई है और ऐसे में विशेषज्ञ मरीजों की संख्या में और बढ़ोतरी का अनुमान लगा रहे हैं.

कोविड-19 के नये मामलों के पीछे भारत की बढ़ी टेस्टिंग क्षमता भी है. भारत रोज जांच की संखे या बढ़ा रहा है. अब यह संखे या रोजाना एक लाख के पार हो गई है. विशेषज्ञ यह बात पहले से कहते आ रहे हैं कि जितनी ज्यादा टेस्टिंग होगी, उतने ज्यादा मामले सामने आएंगे. इसके अलावा नये मेमले तेजी से बढ़ने के पीछे लॉकडाउन में दी गई छूट भी एक बड़ी वजह है.

संतोषजनक पहलू

देश में कोरोना से 42 हजार से ज्यादा लोग स्वस्थ हो चुके है

कोरोनावायरस का कहर भारत में लगातार बढ़ता जा रहा है. पिछले 110 दिनों में देश में कोरोना मरीजों की संख्या 1 लाख 6 हजार से अधिक हो गयी है, जबकि 3300 से अधिक लोग इस वायरस की चपेट में आकर मारे जा चुके हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश के सिर्फ चार राज्यों में ही तकरीबन 70 फीसदी मरीज हैं, जिनमें महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और तमिलनाडु प्रमुख हैं. वहीं लॉकडाउन की वजह से देश में प्रवासी मजदूरों का पलायन निरंतर जारी है. दुनिया की बात करें तो दुनिया में कोरोना से मरने वालों की संख्या 3 लाख 20 हजार से अधिक हो चुकी है, जबकि इससे तकरीबन 49 लाख लोग संक्रमित हैं.

जेएंडके का अनंतनाग बनता जा रहा है कोविड-19 हॉटस्पॉट

78 पुलिसकर्मी भी संक्रमित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर का अनंतनाग जिला कोविड-19 'हॉटस्पॉट' बनता जा रहा है। यहां तैनात कम से कम 78 पुलिस कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। अनंतनाग जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) में तैनात कम से कम 78 पुलिस कर्मियों के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। जिले में अधिकारी पुलिस कर्मियों के सम्पर्क में आए लोगों की पहचान कर रहे हैं लेकिन इन पुलिस कर्मियों के अलग-अलग जगह तैनात होने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दक्षिण कश्मीर का अनंतनाग मध्य अप्रैल तक कोविड-19 मुक्त था। जिले में कोविड-19 का पहला मामला 15 अप्रैल को सामने आया था। केन्द्र शासित प्रदेश में हालांकि जिले में अब सबसे अधिक 247 मामले हैं और चार लोगों की इससे जान जा चुकी है।

नौकरी बदलने पर पीएफ की तरह ट्रांसफर होगी ग्रैच्युटी!

डेली संवाद, नई दिल्ली। सरकार की तरफ से नौकरीपेशा लोगों को एक तोहफा जल्द मिलने वाला है। इसके तहत नौकरीपेशा लोगों को अब कंपनी बदलने पर ग्रेच्युटी ट्रांसफर का मौका मिल सकता है। ये बिल्कुल क्क्न की तरह ही होगा। आसान भाषा में समझे तो अगर आप किसी एक कंपनी में लगातार 5 सालों तक काम कर रहे है तो कर्मचारी को उसकी सैलरी के साथ, पेंशन और प्रोविडेंट फंड मिलता है। इसके अलावा कर्मचारी को कंपनी के तरफ से जो एक्सट्रा पैसा मिलता है उसे ग्रेच्युटी कहते हैं। इसी बीच अगर कोई कर्मचारी इस्तीफा देकर दूसरी कंपनी ज्वाइन करता है तो उसके लिए आपको अपनी ग्रैच्युटी के लिए कंपनी के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ये बिल्कुल क्क्न की तरह ही होगा, यानि की जिस तरह से क्क्न का पैसा आपके एक कंपनी से दूसरी कंपनी में ट्रांसफर हो जाता है वैसे ही अब आपके ग्रैच्युटी की राशि भी ट्रांसफर हो जाएगी। कोरोना महमारी से निपटने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहत पैकेज की घोषणा की है। इस राहत पैकेज के अनुसार सरकार जल्द ही लेबर रिफॉर्म करने जा रही है। इस रिफॉर्म के तहत नौकरीपेशा लोगों को जहां 5 साल में ग्रैच्युटी मिलती थी वहीं ग्रैच्युटी मिलने के लिए न्यूनतम समय एक साल तय होगा।

'उत्तर प्रदेश स्टार्टअप फंड' का शुभारंभ करते हुए योगी ने SIDBI को सौंपा 15 करोड़ का चेक

डेली संवाद, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 5 कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश स्टार्टअप फंड का शुभारंभ किया और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक को 15 करोड़ रुपए की प्रथम किश्त सौंपी। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए एक नई स्टार्टअप नीति प्रदेश में बने जिससे प्रदेश का युवा जुड़ सके। इसके साथ ही जॉब की संभावनाओं को बल मिल सके। इसी क्रम में प्रदेश सरकार और सिडबी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ है।

सीएम योगी ने कहा कि इस समय बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार और श्रमिक उत्तर प्रदेश में आए हैं। हमें उनकी स्किल के अनुसार उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना। इससे ना सिर्फ उनकी समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ उत्तर प्रदेश के माध्यम से पूरे देश को भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि हमारी नीयत नेक है, लेकिन नीयत के साथ-साथ निर्णय लेने की क्षमता को भी गति देनी होगी, तभी हम लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी अच्छे कार्य को तीव्रता के साथ आगे बढ़ाने के लिए समय पर निर्णय लेना अतिआवश्यक होता है, वरना एक बड़ा वर्ग योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाता है। यदि समय पर सही निर्णय लेकर कार्य प्रारंभ कर दिए जाएं तो बहुत सारे लोगों के जीवन को एक नई दिशा दी जा सकती है।

युवाओं को अपना स्टार्ट अप लगाने के लिए प्रेरित करें

सीएम योगी ने कहा कि हमारी नई स्टार्टअप नीति आ रही है और इस नई नीति के तहत हम अपने अधिक से अधिक युवाओं को अपना स्टार्ट अप लगाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई के लिए भारत सरकार ने जिस नए पैकेज की घोषणा की है, उसके तहत प्रदेश के एमएसएमई विभाग ने पहले कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। जिसके तहत एक बड़ा ऑनलाइन लोन मेला आयोजित कर उद्यमियों को लोन देने की कार्यवाही को संपन्न किया जा चुका है। इसी तरह से कई और अन्य कार्यों को भी हमने आगे बढ़ाया है।

यूपी के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कांग्रेस पर खड़े किए सवाल, कहा-

राजस्थान-पंजाब के श्रमिकों की मदद क्यों नहीं कर रहीं प्रियंका

डेली संवाद, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पंजाब और राजस्थान में प्रवासियों के लिए बसें क्यों उपलब्ध नहीं करवा रही है? डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि जब कोटा में उत्तर प्रदेश के छात्र भूख से बिलख रहे थे, बीमार थे। तब अशोक गहलोत सरकार को दया क्यों नहीं आई। वह इन छात्रों को बसों से कम से कम बार्डर पर ही छोड़ देते। तब ये बसें कहां गई थीं? उन्होंने कहा कि तब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 630 बसें भेजकर अपने छात्र-छात्राओं को वापस बुलाया और सुरक्षित तरीके से उनके घरों तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तब स्वयं योगी सरकार की इस पहल की तारीफ की थी। उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने बुधवार को लोकभवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने परिवहन की बसों का जो वीडियो बनाया, वह बसें राजस्थान परिवहन विभाग की हैं। ये बसें एक राजनीतिक

दल कैसे निजी तौर पर एकत्रित कर सकता है। इन बसों को किस हैसियत से चलाया जाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा द्वारा जो 1000 बसों की सूची दी गई थी उसमें 460 बसें फर्जी निकली, जिनका फिटनेस भी नहीं है। इसके अलावा 98 एम्बुलेंस, ऑटो, बाइक और 68 वाहनों के कागज ही नहीं था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने जो सूची दी थी उसमें 460 बसें फर्जी हैं और उसमें भी 297 कबाड़ की हालत में हैं। 297 बसों की कोई फिटनेस नहीं है। इनमें 98 थ्री व्हीलर कार और एंबुलेंस हैं जिनके डिटेल दिए गए हैं। क्या उत्तर प्रदेश सरकार अनफिट बसें चलाकर श्रमिकों की जान के साथ खिलवाड़ करे?

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस इस मामले में शुरू से दिग्भ्रमित करने का काम कर रही है। सरकार कोरोना महामारी के समय मरीजों के उपचार में लगी है। प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित तरीके से घर पहुंचा रही है। प्रवासी श्रमिकों की स्क्रीनिंग और स्केलिंग कर रही। उन्हें क्वारंटाइन सेन्टर में पहुंचाने का काम कर रही है। जबकि कांग्रेस ओछी राजनीति में लगी है। कांग्रेस चाहती है कि सरकार इनकी घटिया सियासत में उलझे, जिससे श्रमिकों की समस्याओं पर ध्यान न जाए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार चाहती तो सीधे मदद कर सकती थी। वह राजस्थान में पैदल चल रहे श्रमिकों को इन बसों से पहुंचा सकती थी। इसी तरह पंजाब और महाराष्ट्र से भी बसें भेजी जा सकती थीं।

नेपाल ने भारत को तरेरी आंखें, नए नक्शे में लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को बताया अपना

काठमांडू । नेपाल ने अपने नए राजनीतिक और प्रशासनिक नक्शे में लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा के भारतीय इलाके को अपना बताया है। ये कुल 395 वर्ग किलोमीटर का इलाका है। नेपाल की इस हरकत से विवाद पैदा होने के आसार बढ़ गए हैं। नक्शे में लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के साथ-साथ गुंजी, नाभी और कुटी गांवों भी शामिल किए गए हैं। नए नक्शे में नेपाल ने कालापानी के कुल 60 वर्ग किलोमीटर के इलाके को अपना बताया है। अगर इसमें लिंपियाधुरा के 335 किलोमीटर का एरिया जोड़ दें तो यह कुल 395 वर्ग किलोमीटर हो जाता है।